एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2023 सत्र के लिए	31 मार्च, 2024	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2024 सत्र के लिए	30 सितम्बर, 2024	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें कि:

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत एवं विश्व (एमपीएसई–001)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–001/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषतायें क्या हैं? व्याख्या कीजिए।
2. वे कौन से प्रमुख खतरे हैं जिन्हें चीन भारत से महसूस करता है? व्याख्या कीजिए।
3. दक्षिण एशिया में भारत की प्रमुख चिंताओं की व्याख्या कीजिए।
4. भारत की वैश्विक दृष्टिकोण के लिए पारंपरिक स्त्रोतों की चर्चा कीजिए।
5. 'नेहरूवादी आम सहमति' शब्द से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

6. क्या आप समझते हैं कि भारतीय विदेश नीति में परिवर्तन और निरंतरता है? प्रमुख परिवर्तनों की पहचान कीजिए।

7. भारतीय विदेश नीति के 'यथार्थवादी' दृष्टिकोण का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. भारतीय विदेश नीति के निर्धारक के तौर पर भारत के भूगोल, इतिहास और परंपरा की व्याख्या कीजिए।

9. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) सार्क (SAARC)
   ख) बिम्सटेक (BIMSTEC)

10. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) भारत –चीन संबंध
   ख) भारत –नेपाल संबंध

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–002/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. लैटिन अमेरिकी क्षेत्रों के सामाजिक –आर्थिक विकास में उपनिवेशवाद के प्रभावों की जाँच कीजिए।
2. संक्षेप में व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार लैटिन अमरीकी क्षेत्र में धर्म, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर, राजनीति से संपर्क करता है?
3. लैटिन अमेरिका में गुलामी की संस्थागत विरासत की चर्चा कीजिए।
4. लैटिन अमेरिका की राजनीतिक परंपराओं की प्रमुख विशेषताओं और समकालीन राजनीतिक प्रक्रियाओं में उनकी प्रासांगिकता की व्याख्या कीजिए।
5. लैटिन अमेरिका में लोकप्रियतावादी आंदोलन के विशिष्ट गुणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) लैटिन अमेरिकी देशों की नव –उदारवादी आर्थिक नीतियाँ
   ख) लैटिन अमेरिकी में क्रांतिकारी आंदोलन

7. राउल प्रेबिश और एच डब्लू सिंगर के मूल विचारों और नीतीगत अनुशंसाओं का परीक्षण कीजिए।

8. लैटिन अमेरिका में क्षेत्रवाद के उद्‌भव का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

9. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) लोकतांत्रिक परिवर्तन के प्रारूप
   ख) लैटिन अमेरिका में नागरिक समाज

10. लैटिन अमेरिका में नये सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति का वर्णन कीजिए और लोकतांत्रिक 'परिवर्तन' में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालिए।

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई–003)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–003/2023-24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पश्चात्य राजनीतिक चिंतन की प्रकृति और संदर्भ की जांच कीजिए।

2. प्लेटो के राजनीतिक सिद्धान्त के दार्शनिक आधारों की चर्चा कीजिए।

3. अरस्तू के क्रांति सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।

4. सेंट थामस एक्विनॉस के 'वृहद् संश्लेषण' के बारे में क्या कहा गया है? विस्तारपूर्वक बताइये।

5. मैक्यावली के सार्वभौमिक अहम् की अवधारणा को विस्तारपूर्वक बताइये।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणी लिखिए।

6. क) प्राकृतिक कानूनों और सहमतिपत्र (covenant) पर थॉमस हॉब्स
   ख) सामाजिक समझौते और नागरिक समाज पर जॉन लॉक

7. क) रूसो का सार्वजनिक वसीयत (General Will) का सिद्धान्त
   ख) एडमण्ड बर्क की फ्रांसीसी क्रांति की समालोचना

8. क) 'सुसंगत आदेशात्मक उत्तराधिकार' के लिए इमैनुअल कॉंट
   ख) बैंथम का राजनीतिक दर्शन

9. क) लोकतंत्र, क्रांति और आधुनिक राज्य पर टॉकविले
   ख) महिलाओं के समान अधिकारों पर जे. एस. मिल

10. क) हेगेल का आदर्शवाद
    ख) अधिशेष मूल्य का मार्क्स का सिद्धान्त

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई–004)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–004/2023-24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. प्राचीन भारत में राज्य और संप्रभुता की प्रकृति की चर्चा करें।
2. 19वीं शताब्दी में भारत के पुर्ननिर्माण पर एक निबंध लिखें।
3. औपनिवेशिक भारत में मुस्लिम चिंतन के अनुसरण मार्ग का पता लगाइये।
4. स्वामी दयानन्द सरस्वती के धार्मिक–राजनीतिक विचारों को विस्तार से बताइये।
5. राष्ट्रवादी आंदोलन मे लाल–बाल–पाल के महत्व का वर्णन करें।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणी लिखिए।

6. क) हिंदु धर्म के पुर्नजागरण पर श्री अरोबिन्दो के विचार
   ख) सामाजिक सुधारों पर वी. डी. सावरकर

7. क) राष्ट्रवाद पर मौलाना मदूदी के विचार
   ख) आदिवासी पहचान के प्रणेता के रूप में जयपाल सिंह

8. क) न्यासिता (Trusteeship) पर गांधी के विचार
   ख) नेहरू का संस्कृति का सिद्धान्त

9. क) संवैधानिक लोकतंत्र पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
   ख) एम.एन. रॉय का क्रांतिकारी मानवतावाद

10. क) भारतीय क्रांति की रणनीति पर ईएमएस नंबुदरीपाद
    ख) जयप्रकाश नारायण का समाजवादी चिंतन

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–005)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–005/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. विश्लेषण कीजिए कि अफ्रीका कैसे अस्तित्व में आया।
2. अफ्रीका में औपनिवेशिकता के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।
3. साम्राज्यवाद की नयी रणनीति के रूप में अफ्रीका में नव–उपनिवेशवाद की जांच कीजिए।
4. अफ्रीका में राज्य की वैधता पर संकटों की जांच कीजिए।
5. अफ्रीका के संरचनात्मक समन्वय कार्यक्रम (SAP) और विकास का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अफ्रीका में एकात्मक शासन
   ख) अफ्रीका में राजनीतिक दल

7. क) अफ्रीकी विदेशी व्यापार की मुख्य विशेषतायें
   ख) अंगोला संकट

8. क) अफ्रीका में शांति बनाये रखने में समस्यायें
   ख) अफ्रीका में खाद्य संकट

9. क) उपक्षेत्रीय–सहारा अफ्रीका में मानव सुरक्षा
   ख) अफ्रीका में नृ–जातीयता और राष्ट्रवाद

10. क) अफ्रीका में हिंसा के कारण
    ख) लागोस कार्यवाई की योजना (LPA)

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई–006)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–006/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. आधुनिक काल में राज्य के साथ अपने संबंधों में विकास से नागरिक समाज में बड़े परिवर्तन हुए हैं। स्पष्ट कीजिए।
2. विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में सुरक्षा परिषद की शक्तियों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
3. गृह –युद्ध को परिभाषित कीजिए और इसके क्रियात्मक और ढ़ाँचागत पहलुओं का परीक्षण कीजिए।
4. संघर्षों के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रियाओं का परीक्षण कीजिए।
5. युद्ध के कारणों को समझने के लिए प्रणाली स्तरीय और राज्य स्तरीय दृष्टिकोणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

भाग – 2

6. दीर्घकालिक स्तर पर आतंकवाद से साधरणतौर बलपूर्वक निपटने के बजाय हमें उस मानसिकता से लडने की आवश्यकता है जो कि आतंकवाद को जन्म दे सकती हैं। चर्चा कीजिए।
7. युद्ध पर गाँधी के विचारों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
8. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
   क) अर्न्तराष्ट्रीय न्यायालय का संरचना और कार्य
   ख) शांति अनुसंधान और शांति अध्ययन के मध्य अंतर
9. मानव सुरक्षा को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रकृति और दायरे को जांचिए।
10. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**
    क) संरचनात्मक हिंसा
    ख) प्रक्रर्यात्मकतावाद और नव–प्रकार्यवाद

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई–007)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–007/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारत में सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।

2. 'नए' सामाजिक आंदोलनों को 'नया' क्यों कहा जाता है? इसकी विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

3. आप सामाजिक आंदोलनों को भूमंडलीकरण के प्रभाव और राज्य की बदलती प्रकृति से कैसे जोड़ते हैं? चर्चा कीजिए।

4. उत्तर–पूर्व भारत में पिछड़े वर्गों की स्थिति की दक्षिण भारत के पिछड़े वर्गों से तुलना कीजिए।

5. लोकतंत्र और सामाजिक आंदोलन एक ही सिक्के के दो पहलुओं की तरह आपस में जुड़े हुए हैं। विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. (क) दलितों की राजनीतिक लामबंदी
   (ख) आरक्षण की राजनीति

7. (क) उत्तर–पूर्व में जनजातीय नृजातीय आंदोलन
   (ख) महिलाओं के मुद्दों के संबंध में राज्य की भूमिका

8. (क) क्षेत्रीय आंदोलनों के लिए राज्य की प्रतिक्रियाएँ
   (ख) बहुसंख्यक सांप्रदायिकता बनाम अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता

9. (कं) भारत में कृषिक आंदोलन
   (ख) श्रमिक संघों का विकास

10. (कं) मछुआरों की सामूहिक कार्रवाई
    (ख) पर्यावरणीय आंदोलनों के उदाहरण

भारत में राज्यीय राजनीति (एमपीएसई–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–008/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पहचान (आइडेंटिटी) पॉलिटिक्स और नए सामाजिक आंदोलनों (न्यू सोशल मूवमेंट्स) के अध्ययन के लिए विभिन्न प्रारूपों का विश्लेषण कीजिए।

2. भारत में विभिन्न प्रकार की विविधता के प्रति राष्ट्रवादी प्रतिक्रियाओं की उपयुक्तता का आलोचनात्मक विश्लेषण करें।

3. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों में 1980 और विशेष रूप से 1990 के दशक में विखंडन हुआ है। परीक्षण कीजिए।

4. भारत में संघवाद के संबंध में जल और सीमाक्षेत्रीय विवादों को प्रसंग प्रस्तुत करें।

5. भारत में राज्य स्वायत्तता आंदोलनों के विभिन्न दौरों की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघ–राज्य संबंधों में तनाव के क्षेत्र
   (ख) स्वतंत्र भारत में संवैधानिक विन्यास

7. (क) चुनाव–सुधार के लिए किए गए प्रयासों
   (ख) कांग्रेस पद्धति का पतन

8. (कं) विरोध–आंदोलनों के स्वरूप
   (ख) भारत की आर्थिक सुधार नीति

9. (क) क्षेत्रीय विषमताएँ।
   (ख) भूमि सुधार की सीमाएँ

10. (क) सांप्रदायिक राजनीति और सांप्रदायिक हिंसा आज
    (ख) भाषाई अल्पसंख्यक

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई–009)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–009/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. कनाडा राज्य के राज्य निर्माण की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।
2. कनाडा में संघीय प्रणाली का विकास किस प्रकार हो रहा है? चर्चा कीजिए।
3. कनाडा की विदेश नीती के प्रमुख पहलुओं की व्याख्या कीजिए।
4. कनाडा के संविधान के उद्‌भव और विकास के इतिहास का संक्षेप में पता लगाइये।
5. कनाडा के लोक प्रशासनिक ढ़ाँचे पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारत में कनाडा का सहायता कार्यक्रम
   ख) भारत का कनाडा से व्यापार

7. क) कनाडा का मानव सुरक्षा मसौदा
   ख) कनाडा की फसलें

8. क) कनाडा में संसदीय सरकार
   ख) कनाडा की न्यायिक प्रणाली

9. क) कनाडा में बहुदलीय प्रणाली
   ख) अल्पसंख्यक दल

10. क) भारत –कनाडा संबंध
    ख) कनाडा – अमेरिका संबंध

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई–011)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–011/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूरोपीय संघ की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। इसकी मुख्य चुनौतियाँ क्या है?
2. यूरोपीय एकीकरण की प्रक्रिया को संघीय कारक ने किस प्रकार आकार प्रदान किया है? चर्चा कीजिए।
3. यूरोपीय एकीकरण की परिसंघवादी और स्वतंत्रता सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए।
4. एकल यूरोपीय बाजार की प्रमुख विशेषतायें और इसके प्रभाव की चर्चा कीजिए।
5. वे कौन से कारक हैं जिन्होंने सार्वजनिक यूरोपीय सुरक्षा और रक्षा नीति के विकास को सुगम बनाया? विस्पूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखें :

6. क) यूरोपीय संघ (EU) और आसियान (ASEAN)
   ख) यूरोपीय संघ (EU) और सार्क (SAARC)

7. क) वैश्विक शासन
   ख) विश्व व्यापार संघ के कार्य

8. क) भारत –यूरोपीय संघ (EU) रणनीतिक साझेदारी
   ख) भारत –यूरोपीय संघ (EU) साझा उपक्रम

9. क) जर्मन पहचान और यूरोपीय संघ (EU)
   ख) फ्रांस और यूरोपीय संघ (EU)

10. क) सामूहिक कृषि नीति (CAP) के बुनियादी सिद्धान्त
    ख) यूरोपीय संघ (EU) और संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई–012)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–012/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
2. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की पहचान को औपनिवेशिक नीतियों ने किस प्रकार निर्मित किया है? व्याख्या कीजिए।
3. कौन से कारण गोरे ऑस्ट्रेलियाईयों के पतन और बहुसांस्कृतिक समाज के उदय के लिए जिम्मेदार हैं? विस्तापूर्वक वर्णन कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया में 1999 का जनादेश क्या था और यह क्यों विफल हुआ? व्याख्या कीजिए।
5. ऑस्ट्रेलिया में कल्याणकारी राज्य परंपरा का वर्णन कीजिए। यह किस प्रकार परिवर्तित हो गया है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया मे भारतीय अप्रवासी
   ख) ऑस्ट्रेलिया की राजनीति में महिलायें

7. क) राजनीतिक भागीदारी के प्रारूप
   ख) ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद

8. क) नया संघवाद
   ख) व्यापार नीति और बहुसंस्कृतिवाद

9. क) नृ–जातीय विविधता
   ख) ऑस्ट्रेलिया में समाज कल्याण नीति

10. क) पहचान की राजनीति
    ख) ऑस्ट्रेलिया में नागरिकता

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई–013)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–013/2023-2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. 1990 के दशक के पश्चात् से भारत –ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और सुरक्षा प्रचालनों की व्याख्या कीजिए।
2. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के मुख्य संघटक क्या हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
3. ऑस्ट्रेलिया परमाणु अप्रसार का एक प्रबल समर्थक है। क्या आप सहमत है? समझाइये।
4. चीन में मानवाधिकार उल्लंधन के मामलों से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया की स्थिति का मूल्यांकन कीजिए।
5. भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य आर्थिक सहयोग के मुख्य मामले क्या हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया का पर्यावरणीय आंदोलन
   ख) भारत –ऑस्ट्रेलिया साझा उपक्रम

7. क) 1990 के पश्चात् व्यापार नीति
   ख) चीन –ऑस्ट्रेलिया आर्थिक संबंध

8. क) ताईवान मुद्दा और ऑस्ट्रेलिया की नीति
   ख) तिब्बत और ऑस्ट्रेलिया का पक्ष

9. क) ऑस्ट्रेलिया –इण्डोनेशिया संबंध
   ख) ईस्ट –तिमोर का मुद्दा

10. क) ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय पहचान
    ख) ऑस्ट्रेलिया और ऐपेक (APEC)

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–002/2023-2024
पूर्णांकः 100

टिप्पणीः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर कोष्ठक में दिये गए हैं। कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें, पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

1. सतत् विकास के विभिन्न दृष्टिकोणों की शक्तियों और कमजोरियों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (10)
2. ''हम एक विशेष जीवन शैली का पालन करते हुए अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करते हैं जो सतत् विकास के प्रति सुसंगत नहीं हो सकती है'' हमारे दैनिक जीवन से उपयुक्त उदाहरणों देते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। (10)
3. वर्णन कीजिए कि किस प्रकार सतत् विकास प्राप्त करने के लिए पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को एकीकृत किया जा सकता है। (10)
4. प्राकृतिक संसाधनों का सतत् उपयोग सतत् विकास को प्राप्त करने में कैसे मदद कर सकता है? (10)
5. वैश्विक पर्यावरण की रक्षा में वैश्विक पहल के लिए बाधाओं का विश्लेषण कीजिए। (10)
6. असमानता को दूर करने के लिए विभिन्न राज्यीय और स्थानीय विकास पहलों का वर्णन कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (10)
7. निम्नलिखित में से प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5*4=20)
   (क) वहनीय क्षमता की अवधारणा
   (ख) पर्यावरण की बेहतरी की दिशा में दक्षिण एशियाई देशों की पहल
   (ग) सतत् कृषकीय प्रथायें
   (घ) जल और ऊर्जा संसाधनों के सतत् विकास में अभिनव पहल
8. निम्नलिखित प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5*4=20)
   (क) सहकारिता और सतत् विकास
   (ख) सतत् आजीविका
   (ग) सतत् विकास में हार्नेस प्रौद्योगिकी की अवधारणा
   (घ) सतत् और गैर–टिकाऊ गतिविधियां

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–008/2023-2024
पूर्णांकः 100

टिप्पणीः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर कोष्ठक में दिये गए हैं। कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें, पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

1. पृथ्वी पर ग्रीनहाउस प्रभाव की संक्षेप में चर्चा कीजिए। व्याख्या कीजिए कि वैश्वीकरण किस प्रकार से पारिस्थितिक तंत्र के बड़े पैमाने पर व्यवधान के लिए जिम्मेदार है। (5*2=10)
2. विभेद कीजिएः
   (क) बाढ़ और सूखा (5)
   (ख) आकस्मिक और घातक आपदाएं (5)
3. उत्तर–दक्षिण विभाजन का क्या अर्थ है? आर्थिक वैश्वीकरण में MNCs, TNCs और IFIs की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (2.5+7.5=10)
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः (3.5+3.5+3=10)
   (क) रियो+5 और रियो+10
   (ख) जैव विविधता सम्मेलन
   (ग) यूएनईपी (UNEP)
5. अंतरराष्ट्रीय वायु प्रदूषण से संबंधित कोई पांच बहुपक्षीय समझौतों का उल्लेख कीजिए। विश्व बैंक के पर्यावरणीय मसौदे की चर्चा कीजिए। (5+5=10)
6. नेपाल के विशेष संदर्भ में, दक्षिण एशिया के पर्यावरण संबंधी सरोकारों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। (5+5=10)
7. गैर–सरकारी संगठन (NGO) को परिभाषित कीजिए। इसकी उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए और गैर–सरकारी संगठनों के विभिन्न दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। (2+8=10)
8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेंः (6*5=30)
   (क) चिल्का बचाओ आंदोलन और अप्पिको आंदोलन
   (ख) भारत में बीज आत्महत्याएं (Seed Sucides)
   (ग) खाद्य सुरक्षा की स्थिरता के संकेतक
   (घ) पर्यावरणीय दृष्टि से सार्थक(गहन) प्रौद्योगिकी
   (ड़) पर्यावरणीय नैतिकता
   (च) वायु प्रदूषण को रोकने में न्यायपालिका की भूमिका

पाठ्यक्रमः गाँधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद से आप क्या समझते हैं? सामाजिक–आर्थिक जीवन पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

2. समाजवाद में सामाजिक परिवर्तन तथा सत्ता के पुनर्वितरण की अवधारणाओं का आकलन कीजिए।

3. लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था में बहुलवाद और सहनशीलता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

4. इक्कीसवीं सदी में गाँधीवादी सत्याग्रह की प्रासंगिकता, प्रभावित और संभाविता की चर्चा कीजिए।

5. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष हिंसा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) गाँधी की व्यक्तिगत स्वायत्तता की अवधारणा
   ख) परमाणु युग में सत्याग्रह की आवश्यकता

7. क) गाँधी की शाक्ति की अवधारणा
   ख) गाँधी की विचारधारा में रचनात्मक कार्यक्रम की भूमिका

8. क) संरचनात्मक हिंसा
   ख) न्याय की अवधारणा

9. क) फ़ासीवाद पर गाँधी के विचार
   ख) नस्लीय और जाति की समानता पर गाँधी के विचार

10. क) संघर्ष और इसके समाधान
    ख) राज्य, दायित्व और सविनय अवज्ञा

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–2024
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सामाजिक क्रांति से आप क्या समझते हैं और इस क्रांति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जवाहरलाल नेहरू ने क्या प्रक्रिया अपनाई?

2. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. ''अहिंसक आंदोलन सामाजिक–आर्थिक और पारिस्थितिकी न्याय सुनिश्चित करते हैं।'' अपने शब्दों में इस कथन का औचित्य बताए।

4. चिपको आंदोलन एक इको–नारी अधिकारवादी आंदोलन हैं। क्या आप इस कथन से सहमत है? कारण बताइए।

5. सन् 1960 के दशक में अश्वेत नागरिक अधिकार आंदोलनों के बारे में संक्षिप्त विवरण लिखिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) जलः मौलिक अधिकार
   ख) महिलाएँ और नागरिक अधिकार आंदोलन

7. क) 'संपूर्ण क्रांति'
   ख) भूदान आंदोलन

8. क) टिहरी बचाओं आंदोलन
   ख) ताप–परमाणु प्रदूषण

9. क) शराब कराधान पर गाँधी के विचार
   ख) सन् 1948 से पहले रंगभेद कानून

10. क) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद किसान आंदोलन
    ख) परमाणु विरोधी अभियान

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ''सामुदायिक शांति के लिए अहिंसा और क्षमाशीलता अनिवार्य हैं''। क्या आप गाँधीवादी विचारधारा से सहमत हैं?

2. गाँधावादी विचार और अभ्यास में मौलिक संकल्पनाओं की व्याख्या कीजिए।

3. शांति सेना के विचार की तथा संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. एक सहिष्णु समाज के निर्माण में सहिष्णुता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

5. सकारात्मक शांति की संकल्पना की समीक्षा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी
   ख) श्रीलंका की नस्लीय लड़ाई में भारत की भूमिका

7. क) समकालीन विश्व में वार्ता और समझौते की सार्थकता
   ख) म्यांमार की राजनीति में सेना की भूमिका

8. क) मध्यस्थता की संकल्पना
   ख) उपवास के बारे में गाँधी के विचार और आज के युग में इसकी सार्थकता

9. क) सशस्त्र दौड़ तथा भौतिकवाद
   ख) सामुदायिक शांति के प्रति गाँधी का दृष्टिकोण

10. क) अस्पृश्यताः समरसतापूर्ण समाज में एक बाध
    ख) गाँधी की शांति का दोहरा सिद्धांतः सत्य और अहिंसा

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. संघर्ष के बाद के पुर्ननिर्माण और पुर्नवास में राज्य की क्या भूमिका हैं?
2. आधुनिक सभ्यता का गाँदीवादी विकल्प क्या हैं? इसके प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए।
3. ''चम्पारण सत्याग्रह'' अभियान के आरंभ होने के पीछे क्या कारण थे? गाँधी ने उसके प्रमुख मुद्दों को किस प्रकार सुलझाया था?
4. संघर्ष पीड़ित समाजों के सशक्तीकरण में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की समीक्षा कीजिए।
5. संघर्ष विश्लेषण की विभिन्न पद्धतियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) विश्व बैंक की भूमिका और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय निधि
   ख) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबधंन
7. क) संघर्ष परिवर्तन
   ख) आधुनिक विश्व में भारत का स्थान
8. क) दक्षिण अफ्रीका में गाँधी का शैक्षिक प्रयोग
   ख) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम
9. क) शांति बनाम न्याय दृष्टिकोण
   ख) सर्वोदय और अंत्योदय
10. क) अफ़गान पुर्ननिर्माण में भारत की भूमिका
    ख) भारत और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों के लिए अफ़गानिस्तान का महत्व

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. विश्व स्तर पर मानव अधिकारों के प्रयोग की चर्चा कीजिए।

2. मानव सुरक्षा की परम्परागत और गाँधीवादी विचारधारा में क्या अंतर हैं?

3. पर्यावरण, खाद्य और आर्थिक सुरक्षा के बारे में बाह्य हस्तक्षेंपों का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या हैं?

4. भारत में महिलाओं का सीमांतीकरण को स्पष्ट कीजिए। वे किस प्रकार से सशक्त हो सकती हैं?

5. आतंकवाद सरकारी विश्वसनीयता, वैधता को कम कैसे आँकती हैं और समाज के सामाजिक तानेबाने को अस्थिर कैसे करती हैं?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) संरचनात्मक हिंसा के रूप में गरीबी
   ख) खाद्य सुरक्षा और इसका महत्व

7. क) बंधुआ मजदूरी का उन्मूलन
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोगः मुद्दे और चुनौतियाँ

8. क) सार्वभौमिक स्तर पर मानव सुरक्षा
   ख) सन् 1993 वियना घोषणा और कार्य योजना

9. क) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
   ख) विकास और भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिग)

10. क) मानव तस्करी, लिंग और पर्यावरण संबंधी मुद्दे
    ख) शहरी असंगठित श्रमिक वर्ग की समस्याएँ

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2023–24
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ग्राम्सी की नागरिक समाज की संकल्पना का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. गाँधी के लिए स्वराज स्वप्रतिष्ठा और स्वशासन हैं। स्पष्ट कीजिए।

3. पंचायती राज संस्थाओं के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों की समीक्षा कीजिए।

4. स्वैच्छिक कार्य संघटन के लिए सामाजिक आन्दोलन की भूमिका की चर्चा कीजिए।

5. किस प्रकार से ग्रामीण बैंक गरीबी और भूख उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रहे हैं? इसको संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) नागरिक समाज की उत्पति और धारणा
   ख) आंतकवाद के खिलाफ युद्ध और राजनीतिक शासन

7. क) एशिया में नागरिक समाज की प्रासंगिकता
   ख) गाँदीवादी नागरिक समाजः वैश्विक शांति का ज़वाब

8. क) शांति आन्दोलनों की उत्पति और विकास की खोज़ कीजिए।
   ख) परमाणु विरोधी आन्दोलन

9. क) मानव अधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र (UDHR)
   ख) अमरीकी चार्टर और संयुक्त राष्ट्र

10. क) राज्य और नागरिक समाज में बीच परस्पर सबंध
    ख) प्रतिरोध और विरोध की अवधारणाएँ